Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In March 2016

स्टार्टअप वीकएंड फॉर वोमेन कार्यक्रम में भाग लेने वाले जीजेयू के विद्यार्थी कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ।

स्टार्टअप वीकएंड : छाए जीजेयू के विद्यार्थी

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। कुरुक्षेत्र में हुए स्टार्टअप वीकएंड फॉर विमेन कार्यक्रम में गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। विवि के तीन विद्यार्थी इस कार्यक्रम की आगामी प्रतियोगिताओं के लिए चयनित हुए हैं। जबकि एक विद्यार्थी के आइडिया को विशेष रूप से पसंद किया गया है। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को चयनित विद्यार्थियों का अभिनंदन किया। विवि में इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एचसी गर्ग ने बताया कि यह कार्यक्रम 26 से 28 फरवरी तक कुरुक्षेत्र में आयोजित किया गया था। विश्वविद्यालय के बीटेक मेकेनिकल इंजीनियरिंग के तृतीय वर्ष के विद्यार्थी उमेश गर्ग को भावी प्रतियोगिताओं की टीम एक के लिए, आशीष गर्ग को टीम दो के लिए तथा बीटेक बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के दीपक को टीम तीन के लिए चयन हुआ है।

बीटेक ईसीई द्वितीय वर्ष के भारत गुप्ता के आइडिया को विशेष रूप से पसंद किया गया। भारत गुप्ता को स्टार्टअप एक्सिलेटर चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से मार्गदर्शन व आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी ताकि वह अपने आइडिया को विकसित कर सके। टीम एक में चयनित विद्यार्थियों को छह महीने, टीम दो में चयनित विद्यार्थियों को चार महीने तथा टीम तीन में चयनित विद्यार्थियों को तीन महीने के लिए स्टार्टअप बॉक्स मोहाली में विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अमर उजाला - 1/3/16

प्रपोजल

28 से 30 लाख रुपये का प्रपोजल, स्टीम बाथ की भी होगी व्यवस्था, असिस्टेंट डायरेक्टर कम कोच की भी होगी भर्ती

जीजेयू कैंपस में अब बनेगा मल्टीपर्पज जिम

आधुनिक मशीनों का प्रयोग कर बना सकेंगे सेहत

मनोज कौशिक | हिसार

जीजेयू में सेहतमंद रहने और शरीर बनाने के शौकीन विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। जीजेयू में मल्टी पर्पज जिम बनाई जाएगी। जिम में महिला और पुरुष दोनों के लिए अत्याधुनिक मशीनें लगाई जाएंगी और कोचिंग देने का प्रावधान भी बनाया जाएगा। दोनों जिम में सामान और एसेसरीज लगाने के लिए लगभग 28 से 30 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा जिम में स्टीम बाथ कक्ष भी बनाया जाएगा। इससे पहले यह सुविधा जीजेयू या अन्य संस्थान में नहीं दी गई है। विद्यार्थियों के अलावा कर्मचारी की प्राथमिकता के अनुरूप सामान भी खरीदा जाएगा। वहीं जिम में किस तरह और क्या क्या सामान रखा जाए, इसके लिए पहले विद्यार्थियों से भी प्रति पुष्टि ली गई थी। जिम में आधुनिक मशीनें, मैट और शीशे लगाए जाएंगे।

स्टीम बाथ लेने की होगी व्यवस्था

जीजेयू में जिम के साथ साथ स्टीम बाथ लेने की सुविधा अपने आप में खास होगी। भाप से स्नान करने को स्टीम बाथ कहते हैं। एक बंद कमरे में गर्म भाप छोड़ी जाती है। एक निश्चित समय के लिए भाप वाले कमरे में बैठा जा सकता है। इससे शरीर से पसीना निकलना शुरू हो जाता है, जिससे शरीर के रोम छिद्र खुल जाते हैं। स्टीम बाथ लेने के बाद शरीर बहुत ही हल्का और फ्रैश महसूस होता है। चिकित्सकों के अनुसार स्टीम बाथ लेना बहुत ही लाभदायक होता है। जीजेयू खेल विभाग निदेशक एसबी लूथरा ने बताया कि स्टीम बाथ लेने के समय ज्यादा तापमान होने या असंतुलित भाप लेने से हादसा भी हो सकता है। इसके लिए यह काम किसी की देखरेख में ही किया जाएगा।

देखरेख सही ढंग करने की होगी व्यवस्था

जीजेयू में उपलब्ध अन्य खेलों के लिए प्रशिक्षण दिया जा सके व देखरेख सही ढंग से की जा सके। इसके लिए जीजेयू में खेल असिस्टेंट डायरेक्टर कम महिला कोच की नियुक्ति की जा रही है। इससे जहां बाकी खेलों का प्रशिक्षण दिया जा सकेगा वहीं छात्राओं को विशेष रूप से फायदा होगा। महिला कोच की नियुक्ति के लिए आवेदन लिए जा चुके हैं। इसके पहले जीजेयू में रेगुलर महिला कोच की नियुक्ति नहीं की गई थी। इसके अलावा जीजेयू में अन्य खेलों में प्रशिक्षण देने के लिए कोच रखने पर भी विचार किया जा रहा है।

विद्यार्थियों को लिए खास होगी जिम

"आधुनिक मशीनों और सामान की व्यवस्था वाली जिम विद्यार्थियों के लिए खास होगी। पढ़ाई के साथ-साथ व्यायाम करना भी आवश्यक है। स्टीम बाथ लेने से भी स्वास्थ्य बेहतर रहता है। जिम को जल्द ही अपडेट कर दिया जाएगा।"
प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति जीजेयू

दैनिक भास्कर - 2/3/16

गुजवि में फाइलों की मूवमेंट मोबाइल और कंप्यूटर पर उपलब्ध होगी

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुजवि में फाइलों की मूवमेंट की जानकारी अब मोबाइल व कंपयूटर पर भी उपलब्ध होगी। फाइल के हर स्टेट्स की जानकारी संबंधित अधिकारियों व कार्यालय किसी भी समय जान सकेंगे। इस संबंध में मंगलवार को विवि के यूनिवर्सिटी कम्पयूटर एंड इंफोरमेटिक्स सेंटर के सौजन्य से एक कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि फाइलों की मूवमेंट के डिजिटलाइजेशन से विश्वविद्यालय में जबावदेही व प्रादशर्शिता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हम डिजिटल इंडिया की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। तकनीकी विश्वविद्यालय होने के कारण विवि की इस दिशा में कार्य करने की जिम्मेदारी और अधिक बनती है। उन्होंने कहा कि आगे भी इस प्रकार के और कदम उठाए जाएंगे। कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान ने अपने संबोधन में कहा कि फाइल मैनेजमैंट और अप टू डेट ऑफिस रिकार्ड समय की मांग है। विश्वविद्यालय का यह कदम विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगा।

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में सैन्ट्रल फाईल मूवमैन्ट एंड ट्रैकिंग इन्फोरमेशन सिस्टम पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। फोटो: हरिभूमि

कार्यशाला के मुख्यवक्ता एनआईसी हिसार के तकनीकी निदेशक एमपी कुलश्रेष्ठ थे। उन्होंने सैन्ट्रल फाईल मूवमैन्ट एंड ट्रैकिंग इन्फोरमेशन सिस्टम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस सिस्टम का हरियाणा सरकार के चंडीगढ़ सचिवालय में सफलतापूर्वक प्रयोग हो रहा है। यह सिस्टम अत्यंत लाभदायक है। उन्होंने इस सिस्टम से संबंधित सभी शंकाओं का समाधान भी किया तथा बताया कि इससे फाइलों की गोपनीयता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

हरिभूमि - 2/3/16

विश्वविद्यालयों में भी दी जाए संस्कारों की सीख

'संस्कारों के सम्मान' के दौरान प्रबुद्धजनों ने जागरण की पहल को सराहा

संवाद सहयोगी, हिसार : दैनिक जागरण द्वारा बुधवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कॉलेज के ऑडिटोरियम में संस्कारशाला के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने शिरकत की।

विजेताओं को किया सम्मानित

उन्होंने विजेताओं को सम्मानित किया। प्रथम पुरस्कार के रूप में टैबलेट, द्वितीय पुरस्कार के रूप में साइकिल व तृतीय पुरस्कार में स्पोर्ट्स किट प्रदान की गई। इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थितजनों का मन मोह लिया। इस मौके पर बीआरसीएम पब्लिक स्कूल ज्ञानकुंज बहल के वाइस प्रिंसीपल भीम सिंह पूनिया, ऋषिकुल विद्या मंदिर स्कूल के प्रिंसिपल रोहित लोमस सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

64 हजार ने दी थी परीक्षा

दैनिक जागरण द्वारा 10 नवंबर को जागरण संस्कारशाला की परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में हिसार, रोहतक, झज्जर, भिवानी, सिरसा और फतेहाबाद से 64 हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता तीन वर्गों तीसरी से पांचवी, छठी से आठवीं और नौवीं से बारहवीं में हुई थी।

संस्कारों को जीवन में उतारें: टंकेश्वर

गुजवि के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जागरण संस्कारशाला की अब ओर भी ज्यादा जरूरत है। जागरण संस्कारशाला को स्कूल तक ही सीमित नहीं किया जाना चाहिए, इसे यूनिवर्सिटी स्तर तक ले जाना वर्तमान की मांग है। बचपन में बच्चे अच्छे संस्कार जरूर लेते है लेकिन बड़े होने पर उनमें संस्कार नजर नहीं आते है। उन्होंने कहा कि अच्छे संस्कारों को सीखकर अपने जीवन में उतारें। साथ ही अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। जिससे एक शिक्षित और सभ्य समाज का निर्माण किया जा सके।

जागरण संस्कारशाला सम्मान समारोह में विजेताओं को पुरस्कार देते गुजवि के कुलपति डॉ. टंकेश्वर कुमार व दैनिक जागरण के महाप्रबंधक मुदित चतुर्वेदी। जागरण

जागरण संस्कारशाला अच्छाई की समझ

संस्कारों को पहचानना जरूरी : चतुर्वेदी

दैनिक जागरण हिसार यूनिट के महाप्रबंधक मुदित चतुर्वेदी ने बच्चों को जागरण संस्कारशाला के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दैनिक जागरण पिछले सात सालों से जागरण संस्कारशाला की परीक्षा आयोजित कर रहा है। इसमें हर वर्ष बच्चों की संख्या बढ़ रही है। बच्चों में संस्कार पैदा करने के लिए यह बीड़ा उठाया गया था। संस्कारों को पहचाना जरूरी है। हर माता-पिता चाहते हैं कि बच्चों को अच्छे संस्कार मिले ताकि बच्चे भविष्य में तरक्की कर सकें।

तीसरी से पांचवी कक्षा के वर्ग में ये रहा परिणाम		
प्रथम	अभिनव	सीनियर मॉडल हाई स्कूल फतेहाबाद।
द्वितीय	पीयूष शर्मा	ऋषिकुल विद्या मंदिर हिसार।
तृतीय	तरूण कुमार	डीएवी सेंटनरी पब्लिक स्कूल सिरसा।

सांत्वना पुरस्कार : मास्टर संयम, लिटल हर्ट्स पब्लिक स्कूल भिवानी।	
राहुल गांधी	ठाकुर दास भार्गव सीनियर सेकेंडरी स्कूल हिसार।
मोहित छहर	भारत माता विद्या मंदिर हिसार।
लोविशा वलेचा	न्यू लाहौरिया विद्या मंदिर हिसार।
कमलकंठ	सीनियर मॉडल हाई स्कूल फतेहाबाद।
जतिन कुमार	स्माल वंडर पब्लिक स्कूल हिसार।
अंतिका	डीएवी सेंटनरी पब्लिक स्कूल, सिरसा
हिमांशी	शिक्षा भारती स्कूल, रोहतक।
रीतेश	उपदेश सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भिवानी।
हीना	ऋषिकुल विद्या मंदिर, हिसार

दैनिक जागरण द्वारा आयोजित जागरण संस्कारशाला सम्मान समारोह के दौरान ऋषिकुल विद्या मंदिर के प्रिंसिपल रोहित लोमस को सम्मानित किया गया। जागरण

छठी से आठवीं वर्ग के विजेता		
प्रथम	कृतिका शर्मा	डीएवी सेंटनरी पब्लिक स्कूल सिरसा।
द्वितीय	राहुल	आइडी डीएवी पब्लिक स्कूल हिसार।
तृतीय	तेजस्वी	सैनिक पब्लिक स्कूल झज्जर।

सांत्वना पुरस्कार	
मोहित	मॉडल स्कूल सेक्टर-4 रोहतक।
अखिलेश	आइडी डीएवी पब्लिक स्कूल हिसार।
आंचल	डीएवी सेंटनरी पब्लिक स्कूल सिरसा।
अमन	डीएवी सेंटनरी पब्लिक स्कूल सिरसा।
पुलकित	सतलुज पब्लिक स्कूल ऐलनाबाद
यशमित	एससीआर सीनियर सेकेंडरी स्कूल भिवानी
तनु	आइडी डीएवी पब्लिक स्कूल हिसार।
गुरनिशान	डीएवी सेंटनरी पब्लिक स्कूल सिरसा।
हार्दिक शमा	डीएवी सेंटनरी पब्लिक स्कूल सिरसा।
ईशान वत्स	डीएवी सेंटनरी पब्लिक स्कूल सिरसा।

नौवीं से बारहवीं कक्षा के वर्ग में ये रहा परिणाम		
प्रथम	आस्था केडिया	बीआरसीएम पब्लिक स्कूल ज्ञानकुंज बहल, भिवानी।
द्वितीय	स्वाति भोखर	पठानिया पब्लिक स्कूल रोहतक।
तृतीय	सिमरन	न्यू लाहौरिया स्कूल हिसार।

सांत्वना पुरस्कार	
अनु	शिक्षा भारती स्कूल रोहतक।
पजा	[illegible]

'लैब ऑन चिप' को बढ़ावा देने का आह्वान

जीजेयू में 'हैंडलिंग एंड ब्लड सैंपलिंग ऑफ स्माल लेबोरेटरी एनीमल्स' पर कार्यशाला में बोले कुलपति

भास्कर न्यूज | हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार में हैंडलिंग एंड ब्लड सैंपलिंग ऑफ स्माल लेबोरेटरी एनीमल्स' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला फार्मास्युटिकल साइंसिज विभाग के सौजन्य से चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमिनार हॉल में लगाई गई। इसमें गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया। अध्यक्षता प्रो. डीसी भट्ट ने की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि मानव जिन दवाओं का प्रयोग करता है उनका प्रयोग पहले पशुओं पर किया जाता है। इस दौरान राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों का प्रयोग करना चाहिए, जो इन मामलों में पशुओं के हितों के लिए स्थापित किए गए हैं। ऐसी तकनीक विकसित की जानी चाहिए जिनसे पशुओं को कम से कम क्षति पहुंचे। उन्होंने 'लैब ऑन चिप' टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि पशुओं के हितों के मामले में दुनिया में दोहरे मापदंड अपनाए जाते हैं। एक तरफ तो पशु हिंसा व मानव अधिकारों के नाम पर अनेक बार वस्तुओं व सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने जैसे कदम उठाए जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ भोजन के लिए पशुओं की हत्या के बारे में कोई दिशानिर्देश निर्धारित नहीं किए जाते। कार्यशाला में डीन फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंसिज प्रो. मिलिंद पारले, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय हिसार के प्रो. पी.के. कपूर, प्रो. डी.सी. भट्ट, डॉ. दिनेश ढींगड़ा ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में बीर सिंह व दरिया सिंह, प्रो. हरीश गुलाटी, प्रो. डी.एन. मिश्रा, प्रो. एस.के. सिंह, प्रो. सुनील शर्मा, प्रो. नीरु वासुदेवा, प्रो. सुमित्रा सिंह, डॉ. मुनीष आहुजा, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. संदीप जैन, डॉ. मीनाक्षी भाटिया, अर्चना कपूर, डॉ. रेखा राव, डॉ. विक्रमजीत सिंह, डॉ. मनोज मेडल, डॉ. दीपक जिंदल, तरुण, हिमांशी, रवि, डॉ. नरेश फंडन, दीपिका सैनी, सुमित धारीवाल, सुरभि रोहिला, मोनू, प्रीति, कैलाश, निधि, समृद्धि, मुकुल, राकेश सैनी, नेहा, शिवा, काजल सहित कई प्रतिभागी उपस्थित थे।

कार्यशाला का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य शिक्षक।

दैनिक भास्कर - 3/3/16

Cops, varsity staff to donate day's salary to violence-hit

HISAR: Teachers and non-teaching employees of Guru Jambheshwar University of Science & Technology have decided to donate their day's salary for the rehabilitation of the violence-hit families during the Jat agitation in Haryana.

The state police too have taken a similar decision. On Sunday, inspector general of police Anil Kumar Rao told HT: "After a meeting, we have decided to donate our day's salary for the rehabilitation of the violence-hit. We will contribute to the Chief Minister's Relief Fund."

Guru Jambheshwar University V-C Tankeshwar Kumar said, "It is our prime duty to contribute for social welfare in one way or the other. Haryana is known for social harmony and we need to work to retain this identity." **HTC**

Times
8/3/2016

शोध उच्चकोटि का जरूरी, वर्ना पेटेंट नहीं हो सकेगा : टंकेश्वर

ई-बुकलेट का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, मुख्य वक्ता डॉ. शंकर दयाल व अन्य।

वीसी ने कहा-जीजेयू में शोधों के लिए और उपयुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा

भास्कर न्यूज | हिसार

सृजनात्मक सोच के अभाव में उच्च कोटि का शोध संभव नहीं है। जब तक शोध उच्चकोटि का नहीं होगा, तब तक उस शोध को पेटेंट नहीं किया जा सकेगा। देश और समाज को भी उसका कोई फायदा नहीं होगा। यह बात जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बुधवार को विश्वविद्यालय के बौद्धिक संपदा अधिकार व तकनीकी वाणिज्यकरण सेल की ओर से आयोजित सेमिनार में बतौर मुख्यातिथि कही। कार्यशाला में दिल्ली स्थित पेटेंट ऑफिस के सहायक कंट्रोलर ऑफ पेटेंटस एंड डिजाइंस डॉ. शंकर दयाल भटनागर मुख्य वक्ता थे। विवि के कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर कार्यशाला से संबंधित ई-बुकलेट का विमोचन भी वीसी व अन्य अतिथियों ने किया गया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उच्चकोटि का शोध तभी संभव है जब शोधकर्ताओं को पर्याप्त सुविधा व संरक्षण मिले। शोधकर्ताओं को उच्च स्तर की सुविधाएं उपलब्ध करवाना शैक्षणिक संस्थाओं का नैतिक दायित्व बनता है। उद्योगों एवं शैक्षणिक संस्थानों में समन्वय स्थापित कर नई तकनीकों के शोध किए जा सकते हैं। शोधार्थियों को शोध पेटेंट करवाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा, ताकि संबंधित शोध पर हमेशा के लिए उनका अधिकार स्थापित हो सके। उन्होंने विवि के शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए इन्सेंटिव एवं अवार्ड को क्रियान्वित करने के बारे सुझाव भी मांगे।

तुरान ने कहा कि किसी भी शोध कार्य को पेटेंट कराने के बाद भी हमें जागरूक रहना होगा। पेटेंट की समय सीमा होती है। इस समय सीमा के बाद बाजार में काफी विकल्प मौजूद हो जाते हैं। डॉ. शंकर दयाल भटनागर ने कहा कि विश्वविद्याल... अविष्कार का मुख्य आधार होते हैं, जो ... उद्योगों की समस्याओं का निवारण क... की क्षमता रखते हैं। आईपीआर एंड टी... सेल आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. बी... खटकड़ ने कहा कि शोध व बौद्धिक ... अधिकार के क्षेत्र में भारत में बहुत अ... संभावनाएं हैं। आईपीआर एंड टीसी सेल हेड प्रो. जेबी दहिया ने कहा कि शो... क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इस मौ... प्रो. सुनील शर्मा, राहुल तनेजा, सुशां... रजनीश कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर - 10/3/16

सृजनात्मकता शोध का आधार : कुलपति

आविष्कार एवं बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर कार्यशाला

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि सृजनात्मकता शोध का आधार है। सृजनात्मक सोच के अभाव में उच्च कोटि का शोध संभव नहीं है।

जब तक शोध उच्चकोटि का नहीं होगा, तब तक उस शोध को पेटेंट नहीं किया जा सकेगा और देश व समाज को उसका कोई फायदा नहीं होगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय के बौद्धिक संपदा अधिकार और तकनीकी वाणिज्यीकरण सेल द्वारा राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटैलेक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट, नागपुर के सहयोग से आविष्कार एवं बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमिनार हॉल-1 हुई एक दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में पेटेंट ऑफिस दिल्ली के सहायक कंट्रोलर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइंस डॉ. शंकर दयाल भटनागर मुख्य वक्ता थे। कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान ने कहा कि किसी भी शोध कार्य को पेटेंट कराने के बाद भी हमें जागरूक रहना होगा। पेटेंट की समय सीमा होती है। आईपीआर एंड टीसी सेल आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं फैकल्टी ऑफ इन्वायर्नमेंट एंड बायो साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. बीएस खटकड़ ने इस अवसर कहा कि शोध व बौद्धिक संपदा अधिकार के क्षेत्र में भारत में बहुत अधिक संभावनाएं हैं। फिलहाल इस क्षेत्र में भारत की स्थिति अच्छी नहीं है। इस दिशा में ध्यान दिए जाने की जरूरत है। विश्वविद्यालय में शोध व पेटेंट की स्थिति काफी अच्छी है विश्वविद्यालय को लगातार तीसरी बार ए ग्रेड दिलवाने में शोध व पेटेंट की अहम भूमिका रही है। आईपीआर एंड टीसी सेल के हेड प्रो. जेबी दहिया ने कहा कि कार्यशाला में 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आईपीआर एंड टीसी सेल आयोजन समिति के सदस्य एवं विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल विभाग के प्रो. सुनील शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कार्यशाला से संबंधित ई-बुकलेट का विमोचन भी किया गया।

हिसार के जीजेयू में आयोजित कार्यशाला में ई-बुकलेट का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, मुख्य वक्ता डा. शंकर दयाल भटनागर एवं अन्य।

अमर उजाला - 10/3/16

शोध उच्च कोटि का हो तभी फायदेमंद : टंकेश्वर

गुजवि में आयोजित कार्यशाला में 150 प्रतिभागियों ने की शिरकत

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, मुख्य वक्ता डा. शंकर दयाल भटनागर एवं अन्य।

हिसार, 9 मार्च (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि सृजनात्मकता शोध का आधार है। सृजनात्मक सोच के अभाव में उच्च कोटि का शोध सम्भव नहीं है। जब तक शोध उच्च कोटि का नहीं होगा तब तक उस शोध को पेटेंट नहीं किया जा सकेगा तथा देश व समाज को उसका कोई फायदा नहीं होगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार विवि के बौद्धिक सम्पदा अधिकार व तकनीकी वाणिज्यकरण सैल द्वारा राजीव गांधी नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ इंटलैक्चूअल प्रॉपर्टी मैनेजमैंट, नागपुर के सहयोग से 'आविष्कार एवं बौद्धिक सम्पदा अधिकार' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। कार्यशाला में पेटेंट ऑफिस दिल्ली के सहायक कंट्रोलर ऑफ पेटेंटस एंड डिजाइंस डा. शंकर दयाल भटनागर मुख्य वक्ता थे। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. एम.एस. तुरान बतौर विशिष्टातिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उच्च कोटि का शोध तभी संभव है जब शोधकर्त्ताओं को पर्याप्त सुविधा व संरक्षण मिले। उन्होंने विश्वविद्यालय के शोधकर्त्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए इन्सैंटिव एवं अवार्ड को क्रियान्वित करने के सुझाव भी मांगे। मुख्यवक्ता डा. शंकर दयाल भटनागर ने कहा कि विश्वविद्यालय आविष्कार का मुख्य आधार होते हैं जो कि उद्योगों की समस्याओं का निवारण करने की क्षमता रखते हैं। कुलसचिव प्रो. एम.एस. तुरान ने कहा कि किसी भी शोध कार्य को पेटेंट करवाने के बाद भी हमें जागरूक रहना होगा। आई.पी.आर. एंड टी.सी. सैल आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं फैकल्टी ऑफ इन्वायर्नमैंट एंड बायो साइंसिज एंड टैक्नोलॉजी के डीन प्रो. बी.एस. खटकड़ ने इस अवसर कहा कि विश्वविद्यालय में शोध व पेटेंट की स्थिति काफी अच्छी है। गुजवि को लगातार तीसरी बार ए ग्रेड दिलवाने में शोध व पेटेंट की अहम भूमिका रही है। सैल के हैड प्रो. जे.बी. दहिया ने बताया कि कार्यशाला में 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। फार्मास्युटिकल विभाग के प्रो. सुनील शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

पंजाब केसरी हिसार - 10/3/16

रिसर्च का करवाएं पेटेंट, ताकि बना रहे अधिकार

गुजवि में अविष्कार एवं बौद्धिक संपदा अधिकार पर कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज . हिसार

सृजनात्मकता शोध का आधार है। सृजनात्मक सोच के अभाव में उच्चकोटि का शोध संभव नहीं है। यह बात गुजवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अविष्कार एवं बौद्धिक संपदा अधिकार' विषय पर कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते हुए कही। विवि के बौद्धिक संपदा अधिकार व तकनीकी वाणिज्यकरण सैल द्वारा राजीव गांधी नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ इंटलैक्चूअल प्रोपर्टी मैनेजमैंट, नागपुर के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उच्चकोटि का शोध तभी संभव है जब शोधकर्ताओं को पर्याप्त सुविधा व संरक्षण मिले। शोधकर्ताओं को उच्च स्तर की सुविधाएं उपलब्ध करवाना शैक्षणिक संस्थाओं का नैतिक दायित्व बनता है। उन्होंने कहा कि शोधर्थियों को शोध पेटेंट करवाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा ताकि संबंधित शोध पर हमेशा के लिए उनका अधिकार स्थापित हो सके। कार्यशाला तकनीकी सत्रों को संबोधित करते हुए मुख्यवक्ता डा. शंकर दयाल भटनागर ने कहा कि विवि अविष्कार का मुख्य आधार होते हैं जो कि उद्योगों की समस्याओं का निवारण करने की क्षमता रखते हैं। बौद्धिक सम्पदा अधिकार व्यापारिक संगठनों तथा शैक्षणिक एवं शोध संस्थान के लिए औजार का काम करता है। आईपीआर एंड टीसी सैल आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं फैकल्टी ऑफ इन्वायर्नमैंट एंड बायो साईंसिज एंड टैक्नॉलोजी के डीन प्रो. बीएस खटकड़ ने इस अवसर कहा कि शोध व बौद्धिक संपदा अधिकार के क्षेत्र में भारत में बहुत अधिक संभावनाएं हैं। फिलहाल इस क्षेत्र में भारत की स्थिति अच्छी नहीं है।

पेटेंट की होती है समय सीमा

कुलसचिव प्रो . एम.एस . तुरान ने कहा कि किसी भी शोध कार्य को पेटेंट कराने के बाद भी हमें जागरुक रहना होगा। पेटेंट की समय सीमा होती है। इस समय सीमा के बाद बाजार में काफी विकल्प मौजूद हो जाते हैं। नए अविष्कार करते रहने से ही उद्योग निरन्तर प्रगतिशील रह सकते हैं।

हरिभूमि – 10/3/16

दैनिक जागरण व एचएसबी द्वारा आयोजित सेमिनार में मंच पर उपस्थित एक्सपर्ट।

जागरण   मंथन 2016 के दौरान उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थी।

सोच सकारात्मक, बशर्ते क्रियान्वयन सही हो

जागरण संवाददाता, हिसार : केंद्र सरकार के आम बजट पर हुए मंथन पर सरकार की सकारात्मक सोच को सराहा गया। कई सालों बाद किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए विशेष बजट आया है जो देश की अर्थव्यवस्था को एक नई रफ्तार देगा। बशर्तें सकारात्मक सोच के साथ पॉलिसी लागू हो और किसानों को सीधा लाभ पहुंचे। इसी पर चर्चा के लिए दैनिक जागरण व गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस की तरफ से बुधवार को पोस्ट बजट सेमिनार मंथन - 2016 का आयोजन किया गया।

सेमिनार में मुख्यातिथि के रूप में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिरकत की। वहीं हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस की डीन व डायरेक्टर प्रो. उषा अरोड़ा विशेष रूप से उपस्थित रही। चौधरी रणबीर सिंह आडिटोरियम के हॉल नंबर - तीन में आयोजित सेमिनार में शिक्षकों, एक्सपर्ट व

कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार ने मुख्यातिथि के तौर पर किया सेमिनार का उद्घाटन

छात्रों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान बजट के हर पहलू पर गंभीरता से विचार विमर्श किया गया।

सेमिनार में मुख्य रूप से पीएनबी के पूर्व जीएम ईश्वर सिंह फौगाट, उद्योगपति अशोक सिंगला , सीए अनूप गोयल, ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स के पूर्व जीएम निहाल सिंह कासनिया, दैनिक जागरण के जनरल मैनेजर मुदित चतुर्वेदी, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रो. एनके बिश्नोई, प्रो. कर्मपाल नरवाल वक्ता रहे। मंच संचालन प्रो. सुरेश मित्तल ने किया। इनके अलावा प्रो. प्रदीप गुप्ता, प्रो. अंजु वर्मा, वेदपाल शिय, डा. शबनम सक्सेना, डा. संजीव कुमार, सविता उभा आदि भी सेमिनार में मौजूद रहे।

दैनिक जागरण व एचएसबी द्वारा आयोजित मंथन 2016 कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थी। जागरण

बजट में साफ दिख रहा बदलाव

बजट में साफ नजर आ रहा है कि बदलाव आ रहा है। जो बजट इस बार

पेश किया गया है वह साल 2014 में पेश होना चाहिए था। आर्थिक बजट से ज्यादा यह पॉलीटिकल बजट नजर आता है। सरकार की किसानों की आय दो गुणा करने की योजना है। इसका वक्त के साथ ही नतीजा सामने आ पाएगा। केंद्र सरकार का यह बजट सकारात्मक बजट है।

– मुदित चतुर्वेदी, जनरल मैनेजर, दैनिक जागरण

गंभीर दिखे छात्र

हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के छात्रों ने बजट पर अपने भाषण के दौरान हर पहलू को गंभीरता से दर्शाया। इसमें एमबीए मैनेजमेंट, फाइनेंस व एमकॉम के छात्र छात्राओं ने केंद्रीय बजट के पक्ष व विपक्ष में भाषण दिया। डिकलामेशन के जज प्रो . प्रदीप गुप्ता, डॉ . श्वेता सिंह, डॉ . कर्मपाल व डॉ . संजीव रहे। मंच संचालन प्रो . दीपा मंगला ने किया। एमबीए जनरल के छात्र पुनीत ने बजट पर अपने विचार रखते हुए कहा कि सरकार ने लोन को बढ़ावा देने की बात कही है, जबकि बैंकों की हालत पहले से ही खस्ता है। पूर्व में दिए गए लोन ही लोगों द्वारा चुकाए नहीं जा रहे है। ऐसे में लोन को बढ़ावा देना सही कदम नहीं है।

छात्रों ने उठाए सवाल

अरविंद्र, पुनीत, रिंकू व निशांत मेहता सहित छात्रों ने बजट को लेकर अपनी जिज्ञासा शांत की। उन्होंने प्राइवेट व सरकारी बैंकों की कार्यप्रणाली, बजट से गरीब व अमीर के बीच की खाई, मध्यम वर्ग को नजरअंदाज करना आदि से जुड़े सवाल किए। युवाओं की जिज्ञासा को देखकर कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार व प्रो . एमएस तुरान भी खुद को रोक नहीं पाए और बजट के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया।

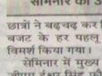

छात्रा रिंकू

कारगो इंजीनियरिंग पर कोर्स शुरू करने पर विचार

जागरण संवाददाता, हिसार : शहर में कारगो की मैंटीनेंस व इंजीनियरिंग स्टेशन बनने जा रहा है। जो इंजीनियरिंग छात्रों के लिए नए रोजगार के अवसर लेकर आएगा। सरकार से बातचीत के बाद इस विषय पर नया कोर्स शुरू करने की कोशिश की जाएगी। यह बात गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बुधवार को पोस्ट बजट सेमिनार मंथन- 2016 में कही। इस दौरान कुलपति ने कहा कि सरकार से बजट निर्माण में एचएसबी के काबिल प्रोफेसरों की राय शामिल करने को लेकर भी बातचीत की जाएगी।

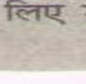

उन्होंने कहा कि कहा कि पीएफ को लेकर सरकार की नीति बेहद शानदार था। यह कर्मचारी के भविष्य को देखकर उठाया गया कदम था। सरकार की पॉलिसी के अनुसार उसे सीधा पेंशन में इसका लाभ प्राप्त होता। उनके अनुसार कर्मचारियों द्वारा अपने पीएफ का पैसा समय से पहले निकाल लिया जाता है जो कई मायनों में सही नहीं है। गुजवि के कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान ने कहा कि गरीबों व अमीरों के बीच की खाई को लेकर छात्रों द्वारा उठाए गए सवाल बिल्कुल ठीक है। यह सवाल हमेशा सामने आया है, लेकिन आंकड़ों को कभी सामने नहीं लाया गया। आंकड़े आम आदमी के सामने आने चाहिए।

पोस्टर मेकिंग में पारुल प्रथम

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में पारुल प्रथम, निर्मला द्वितीय व आशिष तृतीय रहा। डिकलामेशन में अरविंद्र प्रथम, पुनीत द्वितीय व गौरव तृतीय रहा।

एक्सपोर्ट बिजनेस के लिए कुछ नहीं

छात्र शुभम ने कहा कि बजट में एक्सपोर्ट बिजनेस में आ रही गिरावट को लेकर कुछ नहीं किया गया है। बजट में उनके लिए [illegible] नई पॉलिसी [illegible] है। इसके [illegible]

ओआरओपी से होगा आर्थिक नुकसान

गौरव ने कहा कि सातवें वेतन आयोग व वन रैंक वन पेंशन को लागू करना आर्थिक नुकसान है। देश पर दोनों ही चीजों से करोड़ों रुपये का आर्थिक बोझ पड़ेगा। इसके चलते कई विकास की योजनाएं प्रभावित होगा। इस पक्ष की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

विकासशील है बजट

गिरधर नागौरी ने कहा कि सरकार का बजट विकासशील है। यह हर वर्ग के लिए है। 75 लाख लोगों ने अपनी एलपीजी सब्सिडी वापस की है। जिस पैसे को सरकार विकास कार्यों में प्रयोग करेगी। डायलिसिस, किडनी ट्रांसप्लांट सहित मेडीकल सेवाओं को आगे बढाने का प्रयास किया है।

मिडिल क्लास का नहीं रखा ध्यान

निशांत ने कहा कि केंद्र सरकार ने कृषि पर आधारित बजट पेश जरूर किया है। इसमें कई पक्षों को दरकिनार किया गया है। किसानों की इनकम दोगुणा होने की बात कही है, जो किसी भी एंगल से फिजीबल प्रतीत नहीं होती है। मिडिल क्लास के लिए केंद्रीय बजट में कुछ नहीं है।

आम आदमी को किया अनदेखा

मनोज सिंह ने कहा कि आम आदमी की बेसिक जरूरत पर ध्यान नहीं दिया गया है। बजट में कृषि क्षेत्र पर विशेष फोकस किया गया है। इसके अलावा बजट से अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलेगी, इस बजट को देखते हुए यह कहना मुमकिन नहीं है।

योग में पीजी डिप्लोमा शुरू करेगा जीजेयू

विवि प्रशासन प्रक्रिया पूरी करने की बना रहा योजना

2015 में योग गुरु बाबा रामदेव के दौरे के बाद से प्रशासन दिखा रहा रुचि

भास्कर न्यूज | हिसार

देश में योग को तवज्जो दी जा रही है। इसी कड़ी में अब जीजेयू भी शामिल हो गया है। तकनीकी विश्वविद्यालय में आने वाले समय में तकनीक की पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थी योग को भी जानेंगे। इसके लिए जीजेयू जल्द ही योग शिक्षा शुरू करने की योजना बना रहा है। नए शैक्षणिक सत्र से जीजेयू ने योग शिक्षा में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा शुरू करने के लिए कागजी कार्रवाई शुरू कर चुका है।

जीजेयू में अक्टूबर 2015 में योग गुरु बाबा रामदेव आये थे। उनके बाद से ही योग में जीजेयू प्रशासन की रुचि नजर आने लगी थी। इसके बाद जीजेयू के धार्मिक अध्ययन संस्थान में योग शुरु करने के लिए प्रशिक्षित योग शिक्षक से विचार-विमर्श भी शुरू किया गया। उससे योग के बारे में जानकारी भी ली गई। शुरुआती दौर में जीजेयू के धार्मिक अध्ययन संस्थान भवन में शारीरिक योग प्रशिक्षण शुरू किया जा रहा है।

शिक्षक और विद्यार्थियों के परिजन सीखेंगे योग

योग शिक्षा में डिप्लोमा शुरू करने से पहले ही जीजेयू ने योग करवाना शुरू कर दिया है। धार्मिक अध्ययन संस्थान में योग शिक्षक की नियुक्ति की है। धार्मिक अध्ययन संस्थान के इंचार्ज डॉ. किशना राम बिश्नोई ने बताया कि शुरुआती दौर में जीजेयू के शिक्षकों, उनके परिवार के सदस्यों और विद्यार्थियों को योग करवाएंगे। इसके बाद यदि योग में उनकी रुचि बढ़ी तो उसके लिए बड़े स्तर पर भी योग सीखने के लिए प्रबंध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि योग जीवन में नव-ऊर्जा का संचार करता है।

योग है जरूरी : प्रो. टंकेश्वर

जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि योग के माध्यम से शरीर, मन और मस्तिष्क को स्वस्थ किया जा सकता है। योग की जरूरत देखते हुए जीजेयू में इसे शुरू करवा रहे हैं। इसके अलावा नए शैक्षणिक सत्र से योग शिक्षा में पीजी डिप्लोमा शुरू करने पर भी कार्य किया जा रहा है।

दैनिक भास्कर- 14/3/16

जीजेयू के कमलदीप नैन ने पैदलचाल में जीता स्वर्ण

हिसार। जीजेयू के कमलदीप नैन ने पांच किलोमीटर पैदलचाल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई देते कुलपति।

हिसार (ब्यूरो)। जीजेयू के मास्टर खिलाड़ियों ने मैसूर, कर्नाटक में हुई 37वीं राष्ट्रीय मास्टर्स एथलीट चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया गया है। चैंपियनशिप में विश्वविद्यालय के कर्मचारी खिलाड़ी कमलदीप नैन ने 35 वर्ष आयु वर्ग में पांच किलोमीटर पैदलचाल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. एम.एस. तुरान ने विश्वविद्यालय के खेल विभाग तथा विजेता खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ. एस.बी. लुथरा ने बताया कि इस चैंपियनशिप में डॉ. एस.बी. लुथरा, पूर्व उपकुलसचिव बलबीर सिंह वर्मा, कमलदीप नैन, जोगिंद्र सिंह पातड़, शमशेर सिंह, विरेन्द्र कुमार, तथा रामपाल चौहान ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इनका चयन हरियाणा मास्टर एथलीट चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन के बाद हुआ था। मास्टर एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के माध्यम से डॉ. एन.एस. मलिक व कमलदीप नैन का चयन सिंगापुर में होने वाली 19वीं एशिया मास्टर एथलीट चैंपियनशिप में हुआ है। यह चैंपियनशिप चार से आठ मई को सिंगापुर में होगी।

अमर उजाला - 17/3/16

बीटेक पैकेजिंग टेक्नोलॉजी का पाठ्यक्रम फिर होगा शुरू : कुलपति

'प्रिंट ओलंपियाड-2016 ऑन फ्यूचर प्रिंट' पर संगोष्ठी

हिसार (ब्यूरो)। जीजेयू कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि आगामी सत्र से विश्वविद्यालय में बी-टेक पैकेजिंग टेक्नोलॉजी का पाठ्यक्रम फिर से शुरू किया जाएगा। विभाग की अपनी रिसर्च डिग्री कमेटी होगी। प्रिंटिंग विभाग में पीएचडी पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। इससे शिक्षकों व विद्यार्थियों को काफी फायदा होगा।

प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग विभाग के सौजन्य से 'प्रिंट ओलंपियाड-2016 ऑन फ्यूचर प्रिंट' विषय पर आयोजित संगोष्ठी उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में डीन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी प्रो. दिनेश कुमार, विभागाध्यक्ष डॉ. अंजन कुमार बराल, ऑल इंडिया मास्टर प्रिंटर्स, नई दिल्ली के अध्यक्ष श्यामल बासू, कमल मोहन चोपड़ा, महासचिव सुनील गर्ग, सतीश चौहान, संजीव माथुर और आरोहित गोयत उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि ऑल इंडिया मास्टर प्रिंटर्स नई दिल्ली के अध्यक्ष श्यामल बासु ने कहा कि अच्छे विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए ऑल इंडिया मास्टर प्रिंटर्स हर संभव सहयोग करने के लिए तैयार है। उपाध्यक्ष कमल चोपड़ा ने बताया कि इस प्रकार की यह संगोष्ठी भारत में ही नहीं बल्कि विश्वभर में फैली है। जिसमें इस प्रकार की प्रतियोगिता करवाई जा रही हैं। संगोष्ठी के निदेशक तथा विभागाध्यक्ष डॉ. अंजन कुमार बराल ने बताया कि प्रतिभागियों को प्रिंट ओलंपियाड-2016 ऑन फ्यूचर प्रिंट से संबंधित 67 विषय दिए गए। शिक्षकों के वर्ग में एक शिक्षक को तथा विद्यार्थियों के वर्ग में एक विद्यार्थी को प्रथम स्थान हासिल करने पर एक-एक लाख का नकद पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर प्रिंटिंग के इतिहास पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। निर्णायक मंडल की भूमिका श्यामल बासु, बी.डी. मेहंदीरत्ता, ऐ.के. सिन्हा, डॉ. लक्ष्मी प्रिया, अरविंद मारडेकर, पी.चंद्र तथा विनोद सेठी ने निभाई।

हिसार। जीजेयू में आयोजित सेमिनार में जानकारी देते सीए।

अमर उजाला - 14/3/16

पहल | विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक निजी संस्था करेगी सहयोग, मेधावियों के चयन की प्रक्रिया पर चल रहा मंथन

जीजेयू में टॉपर को मिलेंगे असली सोने के मेडल

पवन सिरोवा | हिसार

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय पढ़ाई में अव्वल रहने वाले विद्यार्थियों को अब असली सोने का तमगा देगी। यह निर्णय जीजेयू ने विद्यार्थियों की हौसला अफजाई के लिए लिया है। इसके लिए जीजेयू को एक निजी संस्था सहयोग दे रही है। यह संस्था शुद्ध सोने का मेडल बनाकर टॉपर विद्यार्थियों को देने के लिए जीजेयू को सौंपेगी।

खेल जगत में ही विजेताओं को अभी तक असल गोल्ड मेडल दिए जाते रहे हैं, परंतु अब शिक्षा के क्षेत्र में भी असली सोने के मेडल देने की परंपरा हिसार में शुरू होने जा रही है। यह शुरुआत विश्वविद्यालय स्तर पर पहली बार गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय होगी। इसके लिए जीजेयू ने कागजी कार्रवाई भी शुरू कर दी है। शुरुआती दौर में इस योजना को जीजेयू के तीन फैकल्टी में अमलीजामा पहनाया जाएगा।

ये है फैकल्टी

- फैकल्टी ऑफ फिजिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी
- फैकल्टी ऑफ इनवायरमेंट एंड बॉयो साइंस टेक्नोलॉजी

- **फैकल्टी में ये विभाग** | सफैकल्टी ऑफ फिजिकल साइंस में एप्लाइड फिजिक्स, कैमिस्ट्री और मैथ विभाग होंगे। फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी में प्रिंटिंग टेक्नालॉजी, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग और बॉयो इंजीनियरिंग विभाग शामिल है। फैकल्टी ऑफ इनवायरमेंट एंड बॉयो साइंस टेक्नोलॉजी में इनवायरमेंट साइंस, बॉयो एंड नैनो टेक्नोलॉजी, फूड टेक्नोलॉजी विभाग शामिल हैं।

निजी संस्था दे रही है सोना

हिसार की एक निजी संस्था ने जीजेयू को यह प्रस्ताव दिया है कि वे जीजेयू में टॉपर रहने वाले विद्यार्थियों को सोने के मेडल देना चाहती है। इस पर जीजेयू ने तीन फैकल्टी में उस मेडल को बांटने का निर्णय लिया है। इस मेडल को इस प्रकार बनाया जाएगा, जिसमें बीच में सिक्के के आकार का गोल्ड होगा और इसके चारों ओर की बाउंड्री सिल्वर की बनी हुई होगी।

कैसे दिया जाएगा गोल्ड मेडल

विभागों के अध्यक्षों से यह पूछा जा रहा है कि तीनों फैकल्टी में किसी एक-एक विभाग के टॉपर को गोल्ड मेडल दिया जाए या फैकल्टी के अंतर्गत आने वाले विभागों के टॉपरों की एक प्रतियोगिता करवाकर उनमें विजेता को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाए।

वीसी बोले- गोल्ड मेडल से विद्यार्थी प्रेरित होंगे

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विचार इस बात पर कर रहे हैं कि प्रत्येक फैकल्टी के अंतर्गत आने वाले विभागों में टॉपर की एक प्रतियोगिता करवा ले। उसमें विषय के साथ ही कम्यूनिकेशन और टॉपर की पर्सनैलिटी के आधार पर जो विजेता होगा उसे गोल्ड मेडल दें, हालांकि अभी विचार है मेडल किस प्रकार बांटे जाएंगे उसपर फैसला सभी की राय के बाद ही लिया जाएगा। गोल्ड मेडल पाने के उद्देश्य से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। इससे टॉपर को मिलने वाले गोल्ड मेडल से दूसरे विद्यार्थी भी प्रेरित होंगे।

दैनिक भास्कर 16/3/16

जीजेयू में मेगा जॉब ड्राइव आज से

16-17 मार्च को एचसीएल चुन सकती है 400 विद्यार्थियों को

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के उन विद्यार्थियों के लिए एचसीएल में नौकरी पाने का सुनहरा मौका है, जो 2016 में पासआउट होने जा रहे हैं। दरअसल गुजवि में 16 और 17 मार्च को एचसीएल टैलेंट केयर का मेगा जॉब ड्राइव होगा। इस मौके पर एचसीएल बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की भर्तियां करेंगी। एक अनुमान के मुताबिक कंपनी 400 लोगों तक कितनी भी भर्तियां कर सकती हैं। इसमें प्लेसमेंट कार्यक्रम एमसीए, बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों लिए आयोजित किया जा रहा है। दो दिन के इस प्लेसमेंट कार्यक्रम में विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों के लगभग 600 विद्यार्थी भाग लेंगे।

गुजवि के प्लेसमेंट सेल के प्रभारी प्रो. एके बराल ने बताया कि बुधवार सुबह 9 बजे से एचसीएल की कैंपस प्लेसमेंट शुरू हो जाएगी और यह वीरवार शाम तक चलेगी। इस दौरान करीब 600 विद्यार्थी नौकरी पाने के लिए एग्जाम और इंटरव्यू देंगे। उन्होंने बताया कि इस जॉब मेले में गुजवि के विद्यार्थी और गुजवि से एफिलेटिड कॉलेज के विद्यार्थी ही भाग ले सकेंगे। पहले दिन केवल गुजवि के विद्यार्थियों का ही एग्जाम व इंटरव्यू होगा। लिखित परीक्षा पास करने के बाद ही विद्यार्थी इंटरव्यू के लिए योग्य होंगे।

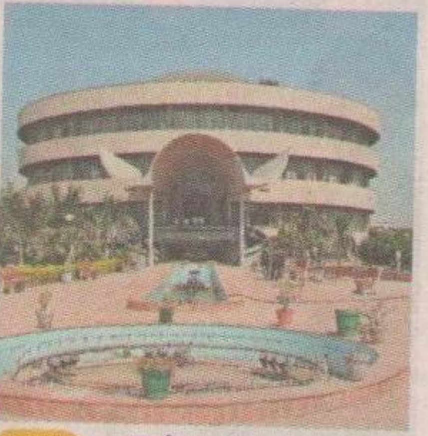

एचसीएल बड़े स्तर पर यहां रिक्रूटमेंट के लिए आ रही है। उन्हें करीब 400 लोगों की जरूरत होगी। विद्यार्थियों के पास बड़ा मौका है। हमें अपने विद्यार्थियों पर पूरा भरोसा है। वे अच्छा परफॉर्म करेंगे। -प्रो. टंकेश्वर, वाइस चांसलर, जीजेयू

आज गुजवी के विद्यार्थी लेंगे भाग

दो दिनों तक चलने वाले इस जॉब ड्राइव के पहले दिन बुधवार को केवल गुजवि के विद्यार्थी ही भाग लेंगे, जबकि अगले दिन 17 मार्च को गुजवि से संबध अन्य संस्थानों के विद्यार्थी जॉब के लिए अपना साक्षात्कार देंगे।

ये विद्यार्थी ले सकेंगे भाग

जॉब मेले में बीटेक और एमटेक के कंपयूटर साइंस इंजीनियरिंग, इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और एमसीए के विद्यार्थी ही भाग ले सकेंगे। सभी विद्यार्थी फाइनल ईयर के ही होंगे।

ऑनलाइन होगा एग्जाम

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्य वीर सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों का चयन दो चरणों में होगा, जिसमें पहले ऑनलाइन परीक्षा ली जाएगी। ऑनलाइन परीक्षा के आधार पर शॉर्ट-लिस्टेड विद्यार्थियों का चयन एचआर एवं तकनीकी साक्षात्कार द्वारा किया जाएगा। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की तकनीकी अधिकारी डॉ. प्रेम महता ने बताया कि विद्यार्थियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन परीक्षा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर केंद्र, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, दूरवर्ती शिक्षा विभाग और हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस में आयोजित की जाएगी। मेगा प्लेसमेंट कार्यक्रम में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों को सुबह 9.00 बजे ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल में रिपोर्ट करना है।

अमर उजाला 16/3/16

श्रीश्री और सुरेश प्रभु को गुजवि देगा डॉक्टरेट की मानद उपाधि

■ गुजवि शैक्षणिक परिषद की बैठक में हुआ फैसला

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पदम विभूषण श्रीश्री रविशंकर महाराज और रेल मंत्री सुरेश प्रभू को डॉक्टरेट की मानद उपाधि देगा। इसके अलावा आईसर्व दिल्ली चैप्टर की निदेशिका सरोजबाला को भी डॉक्टरेट की मानद उपाधि दी जाएगी। यह निर्णय गुजवि शैक्षणिक परिषद की 48वीं बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। पद्म विभूषण श्रीश्री रविशंकर महाराज और सरोजबाला को डॉक्टर ऑफ साइंस तथा रेल मंत्री सुरेश प्रभू को डॉक्टर ऑफ मैनेजमेंट की उपाधि दी जाएगी।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि पद्म विभूषण श्रीश्री रविशंकर आध्यात्मिक गुरु हैं तथा आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक हैं। उनका राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आध्यात्मिक, सामाजिक व अन्य विकास कार्यों में महान योगदान है। रेलमंत्री सुरेश प्रभू का देश के विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान है।

सरोजबाला का भारत की प्राचीन धरोहर को खगोलीय तथा अन्य वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर प्रमाणित कर दुनिया के समक्ष लाने में महान योगदान है।

एल्मुनाई के लिए बनेगा डिपार्टमेंट

गुजवि में एल्मुनाई के लिए अलग से डिपार्टमेंट बनाया जाएगा। ईसी की बैठक में डिपार्टमेंट ऑफ एल्मुनाई अफेयर्स स्थापित किए जाने पर भी मोहर लगी। इसके अलावा कार्यकारी परिषद की बैठक में पीएचडी के अन्य मामले भी निपटाए गए।

दीक्षांत समारोह अप्रैल में संभावित

गुजवि का दीक्षांत समारोह अप्रैल में हो सकता है। फिलहाल इसके लिए तारीख फाइनल नहीं हो पाई है। दीक्षांत समारोह के दौरान ही श्रीश्री रविशंकर महाराज, रेलमंत्री सुरेश प्रभू और सरोजबाला को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की जा सकती है। विवि का दीक्षांत समारोह इससे पहले करीब पांच वर्ष पूर्व 2011 में हुआ था।

ये रहे उपस्थित

कार्यकारी परिषद की बैठक में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी की प्रो. मंजूबाला, सीआरएम जाट कॉलेज हिसार के प्राचार्य डा. आईएस लाखलान, फॉयल प्रिंटर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर कमलमोहन चोपड़ा, डा. प्रदीप कुमार, चौधरी देवीलाल इंस्टीटयूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पन्नीवाला मोटा सिरसा के डायरेक्टर प्रिंसीपल डा. देवेंद्र मोर, विवि के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राजेश मल्होत्रा, प्रो. धर्मेंद्र कुमार, प्रो. बीएस खटकड़, प्रो. आरके गुप्ता, प्रो. ऊषा अरोड़ा, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. मिलिंद पारले, प्रो. हरभजन बंसल, प्रो. कुलदीप बंसल, प्रो. अशोक चौधरी, डा. संदीप कुमार आर्य, प्रो. बंदना पांडेय, डा. किशनाराम बिश्नोई, डा. उमेश आर्य, डा.अंजन कुमार बराल, डा. मुनीष अहुजा, डा. नमिता सिंह, डा. टीकाराम, डा. सतबीर, डा. कपिल कुमार, डा. आरोहित, अनिल कुमार, डा. दीपा मंगला, डा. मंजू, डा. एसएस जोशी व एसएल सैनी उपस्थित थे।

हकृवि ने दी रामदेव और सीएम को डॉक्टरेट

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने बीते वर्ष दीक्षांत समारोह में योगगुरु स्वामी रामदेव और मुख्यमंत्री मनोहरलाल को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की थी। विवि ने अक्टूबर माह में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया था। जिसमें स्वामी रामदेव और सीएम मनोहरलाल को मानद उपाधियां प्रदान की गई।

हरिभूमि 16/3/16

भारत में भी खुशी और आनंद मंत्रालय की जरूरत: कुठियाला

हिसार, 16 मार्च (हप्र)

पत्रकारिता का विकास के साथ गहरा संबंध है। विकास को केवल औद्योगिक विकास, जीवन स्तर के विकास तथा सुख सुविधाओं आदि के विकास के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए, बल्कि विकास को खुशी और आनंद के साथ जोड़कर देखा जाना चाहिए।

इसलिए भारत में भी खुशी और आनंद मंत्रालय बनाना चाहिए। यह बात भोपाल स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीके कुठियाला ने बुधवार को गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार प्रबंधन व तकनीकी विभाग द्वारा 'डिजिटल युग में विकास संचार-नई संभावनाओं की ओर' विषय पर शुरू हुई दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित करते हुए कही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे तथा कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान, अशोक अहलावत, बंदना पांडेय, एमआर पात्र, डॉ. रजनी राठी, आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनसंचार के वरिष्ठतम शिक्षक प्रो. जे. विलानिलम के अलावा, प्रोफेसर बीके कुठियाला, प्रो. सुषमा गांधी को सम्मानित किया।

हिसार के गुजवि में बुधवार को शुरू अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में वरिष्ठतम प्रोफेसर जे. विलानिलम को सम्मानित करते कुलपति कुठियाला।- हप्र

दैनिक ट्रिब्यून- 17/3/16

जीजेयू का मेगा जॉब ड्राइव कैंप

86 विद्यार्थियों को मिली नौकरी

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू में चल रहे एचसीएल टैलेंट केयर के मेगा जॉब ड्राइव के दौरान कुल 86 विद्यार्थियों का चयन एचसीएल में हुआ है। जिसमें विश्वविद्यालय कैंपस के 65 विद्यार्थी और जीजेयू से संबद्ध चार कॉलिजों के 21 विद्यार्थियों को एचसीएल ने चयनित किया है। र

ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. एके बराल ने बताया कि दो दिवसीय मेगा जॉब ड्राइव में एचसीएल द्वारा ली गई ऑनलाइन परीक्षा के दौरान कुल 263 विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इनमें से 86 विद्यार्थियों का चयन एचसीएल में नौकरी के लिए हुआ है। सभी विद्यार्थी सीएसई, आईटी, इलेक्ट्रानिक और एमसीए के फाइनल ईयर के छात्र हैं। विद्यार्थियों की डिग्री पूरी होने के बाद विद्यार्थियों की ट्रेनिंग होगी। बाद में उन्हें एचसीएल में पदानुसार चयनित कर लिया जाएगा।

हिसार। जीजेयू में ऑनलाइन परीक्षा देते छात्र।

जीजेयू के 165 विद्यार्थियों ने दी थी परीक्षा

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्य वीर सिंह ने बताया कि जीजेयू के 165 विद्यार्थियों ने कंपनी की ऑनलाइन परीक्षा में भाग लिया था। प्रथम चरण में 80 विद्यार्थियों ने पास होकर दूसरे चरण का ऑनलाइन कम्युनिकेशन टेस्ट दिया। इन 80 में से 65 विद्यार्थियों ने यह टेस्ट पास कर एचसीएल में जॉब पाई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान ने चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

चार कॉलेजों के 21 विद्यार्थियों का चयन

ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. एके बराल ने बताया कि ने बताया कि वीरवार को जीजेयू से संबद्ध चार कॉलेजों के विद्यार्थियों का लिखित ऑनलाइन टेस्ट हुआ। इसमें करीब 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इसमें से 21 विद्यार्थियों को एचसीएल ने चुना है। ये विद्यार्थी ओम इंस्टीट्यूट, पीपीआईएमटी, जेसीडी कॉलेज सिरसा और पन्नीवाला मोटा स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज के हैं।

दो लाख होगा न्यूनतम पैकेज : एचसीएल में चयनित विद्यार्थियों का न्यूनतम पैकेज दो लाख रुपये होगा। एचसीएल टैलेंट केयर के जोनल हेड सैयद हसन अख्तर ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों का न्यूनतम पैकेज दो लाख रुपये से कम नहीं होगा। डिग्री पूरी होने के बाद हम इन्हें चेन्नई और हैदराबाद में ट्रेनिंग देंगे। इस दौरान विद्यार्थियों को रेगुलर कुशलता परीक्षा से भी गुजरना होगा। अधिकतम पैकेज के बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। यह ट्रेनिंग के दौरान विद्यार्थियों की कुशलता पर निर्भर करेगा। विद्यार्थियों की नियुक्ति पूरे भारत में कहीं भी दी जा सकती है। यही नहीं इनमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को हमारे विदेशों के ऑफिस में भी नियुक्ति दी जा सकती है।

अमर उजाला- 18/3/16

पर्यावरणविद् जांभा जी महाराज के नाम पर बने विश्वविद्यालय ने की नयी शुरुआत

ओ री चिरैया... गुजवि में फिर आ जा रे

कुमार मुकेश/हप्र
हिसार, 21 मार्च

पर्यावरणविद् जांभा जी महाराज के नाम पर बने गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गीतकार स्वानंद किरकिरे का गीत 'ओ री चिरैया... अंगना में फिर आ जा रे...' को चरितार्थ किया जा रहा है। विश्व गोरैया दिवस पर यहां पर गुजवि में कुछ इसी तरह की शुरुआत की गई है।

विवि के निर्माण विभाग के बागवानी विंग ने विश्व गोरैया दिवस पर विवि परिसर के पेड़ों पर बर्ड हाउस लगाने का फैसला किया था। इसके लिए विवि ने रविवार को ही इसकी शुरुआत की है। विवि के निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियंता अशोक अहलावत से बात की तो उन्होंने बताया कि पर्यावरवणविद् जांभा जी महाराज के नाम पर बनें विश्वविद्यालय में पर्यावरण से संबंधित विश्व गोरैया दिवस को मनाने की उन्होंने 15 दिन पहले ही शुरुआत कर ली थी। साथ ही यह फैसला लिया कि इस कार्य को आगे भी बढ़ाया जाएगा। इसके लिए विवि में ही सरकंडों का इस्तेमाल कर बर्ड हाउस बनाया गया। इसके लिए कोई अतिरिक्त खर्च नहीं आया। इसके बाद रविवार को ही विवि की नर्सरी के पेड़ों पर बर्ड हाउस लगाए गए। उन्होंने बताया कि यह मामला इको सिस्टम से भी जुड़ा हुआ है। यदि हम चिड़ियों के संरक्षण के प्रयास नहीं करेंगे तो भूखे मर जाएंगे।

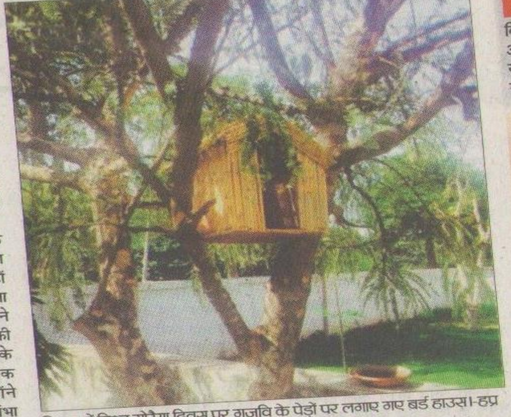

हिसार में विश्व गोरैया दिवस पर गुजवि के पेड़ों पर लगाए गए बर्ड हाउस।-हप्र

अच्छा प्रयास, सहयोग देंगे

विवि कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर ने कहा कि विवि के बागवानी विभाग का यह अनूठा व बढ़िया प्रयास है। फिलहाल इस काम में कोई पैसा खर्च नहीं हुआ है। यदि पैसों की जरूरत पड़ी और ऐसा कोई प्रस्ताव उनके पास आएगा तो वे उसे सकारात्मक ढंग से लेंगे।

मैंने अपने घर भी लगाया बर्ड हाउस

विवि रजिस्ट्रार प्रोफेसर एमएस तुरान ने बताया कि मैंने खुद अपने घर में पेड़ पर एक बर्ड हाउस बनाया है। भविष्य में इनको बढ़ाया जाएगा और इसमें दाना व पानी डालने का भी प्रबंध किया जाएगा। गर्मियों में पक्षियों को दाना और पानी की काफी समस्या होती है। इसलिए यह प्रयास शुरू किया गया है।

यह है चिरैया का इको सिस्टम

चिरैया के अनाज खाने के कारण किसान परेशान रहते हैं। इसके लिए चिड़िया चुग गई खेत जैसे मुहावरे भी बने हुए हैं और हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने फसलों की ऐसी किस्में भी बनाई हुई हैं उन फसलों को चिड़िया नहीं चुग सकती। चिरैया अनाज खाने के साथ-साथ कीड़ों को भी खाती है। यदि चिरैया लुप्त हो जाएगी तो कीड़े ज्यादा हो जाएंगे और फिर वे चिरैया से भी ज्यादा अनाज खाएंगे।

दैनिक ट्रिब्यून - 22/3/16

अच्छी खबर : गुजवि में पहली बार लागू किया गया ऑनलाइन सिस्टम रहा कामयाब

अब मोबाइल पर मिलेगा अपडेट

सुनील बैनीवाल, हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का दूरवर्ती शिक्षा विभाग खुद को अपडेट करने में लगा हुआ है। इसी कड़ी में पहली बार दूरवर्ती विभाग ने पूरी तरह से ऑनलाइन प्रणाली लागू की थी जिसके काफी सकारात्मक परिणाम सामने आए। इसके तहत दूरवर्ती विभाग में मौजूदा सत्र में एडमिशन सात हजार से बढ़कर 11 हजार हो गए। इसी से उत्साहित होकर विभाग अब विद्यार्थियों को अपडेट करने के लिए मोबाइल पर सूचना देने की तैयारी कर रहा है। विभाग के डायरेक्टर के अनुसार छात्रों के साथ विभाग का सीधा संवाद हो सके और छात्र भी पूरी तरह से अपडेट रह सके। इसलिए मोबाइल पर मैसेज सेवा को शुरू करने की योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

बता दें कि निजी स्टडी सेंटरों की कार्यप्रणाली के कारण गुजवि के दूरवर्ती विभाग से जुड़े छात्रों को सबसे ज्यादा दिक्कत आती है। एग्जाम की जानकारी से लेकर मार्कशीट तक सभी के लिए छात्रों को सेंटर के कई-कई चक्कर लगाने पड़ते हैं। समस्या का हल नहीं होने पर छात्र गुजवि में आकर दूरवर्ती विभाग के अधिकारियों से मिलते है। विद्यार्थियों की इसी परेशानी को समझते हुए दूरवर्ती शिक्षा विभाग के डायरेक्टर प्रो. योगेश छाबा व अन्य अधिकारियों ने मोबाइल पर मैसेज सेवा को शुरू करने की योजना बनाई है। इस योजना के साथ ही छात्रों की छोटी से लेकर बड़ी हर समस्या को समय रहते हल कर दिया जाएगा।

- ऑनलाइन के तहत 11 हजार के करीब छात्रों ने लिया एडमिशन

इस सत्र की उपलब्धियां : दूरवर्ती शिक्षा विभाग के लिए यह साल बदलाव लेकर आया है। इस सत्र में पहली बार ऑनलाइन प्रणाली के तहत एडमिशन हुए। कागजी प्रक्रिया नहीं होने के चलते कुछ चुनिंदा लोगों ने ही एडमिशन प्रक्रिया को पूर्ण कर दिया। वहीं रोल नंबरों से कोई छेड़छाड़ न कर सके, इसलिए होलोग्राम लगाया गया। इसके चलते कोई बाहरी छात्र परीक्षा नहीं दे सकता है।

मैसेज सेवा की शुरुआत जल्द

ऑनलाइन सिस्टम को तैयार करने में आठ महीने का समय लगा था। उम्मीद से ज्यादा ऑनलाइन प्रणाली कारगर साबित हुई है। छात्रों को और अधिक सुविधा मुहैया करवाने के लिए मोबाइल मैसेज सेवा की शुरूआत जल्द ही करेंगे। छात्रों व उनके परिजनों को मैसेज के माध्यम से एग्जाम सहित अन्य जानकारी दी जाएगी।

– प्रो. योगेश छाबा, निदेशक
दूरवर्ती शिक्षा विभाग, गुजवि

मोबाइल से दी जाएगी ये जानकारियां

1. परीक्षाओं की जानकारी
2. एडमिशन संबंधी जानकारी
3. रिजल्ट संबंधी जानकारी
4. मार्कशीट जारी होने की जानकारी
5. समस्या हल होने पर भी छात्र को मैसेज किया जाएगा।
6. नए नियमों की जानकारी।

दैनिक जागरण 27/3/16

जीजेयू को 162 करोड़ रुपये मिले

गत वर्ष के मुकाबले 30 करोड़ ज्यादा का बजट

ईसी की बैठक में होगा बजट पर विचार-विमर्श

भास्कर न्यूज | हिसार

वार्षिक बजट को लेकर चंडीगढ़ में हुई आला अधिकारियों की बैठक में जीजेयू के लिए वर्ष 2016-17 के लिए 162 रुपये का बजट मिला है। शनिवार को बैठक में जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ कई आईएएस अधिकारियों ने बजट पर मुहर लगाई है। वर्ष 2015-16 का बजट 132 करोड़ रुपये था, इस वर्ष जीजेयू को गत वर्ष के मुकाबले 30 करोड़ रुपये अधिक का बजट प्राप्त हुआ है।

जीजेयू कुलपति डॉ. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस वर्ष जीजेयू को 162 करोड़ रुपये के बजट की स्वीकृति मिली है। जीजेयू के लैब, कर्मचारी वेतन, शैक्षणिक गतिविधियों और इंफ्रास्ट्रक्चर सहित अन्य कार्यों पर कितना बजट खर्च होगा। इस बारे में कार्यकारी परिषद की बैठक में जानकारी प्रस्तुत की जाएगी। कार्यकारी परिषद की बैठक 29 मार्च को रखी गई है। इसमें जीजेयू के कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। जीजेयू के कुलपति डॉ. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए वित्तवर्ष के लिए सरकार ने जीजेयू को 162 करोड़ रुपये का बजट की स्वीकृति प्रदान हुई है।

विदेशियों को जीजेयू से रूबरू कराने में खर्च हो सकती है बड़ी राशि

जीजेयू विदेशी शिक्षकों और विद्यार्थियों को जीजेयू से रुबरू करवाने के लिए कई बड़े आयोजन करवाने की योजना बनाई है। इसको लेकर प्रपोजल भी तैयार किए गए हैं। इसमें "ज्ञान' एक बड़ा प्रपोजल है। इसमें विदेश से जीजेयू में कई शिक्षक आएंगे और करीब एक-एक सप्ताह यहां रुकेंगे। वे जीजेयू के विद्यार्थियों को अपने अपने विषय की जानकारी देंगे। इसके अलावा जीजेयू एक समेस्टर के लिए कई विद्यार्थियों को विदेश भेजने की तैयारी में भी है। ऐसे में इन योजनाओं पर बजट की बड़ी राशि खर्च होगी।

यूनियन कर रही बैठक को लेकर तैयारी

जीजेयू में 29 मार्च को होने वाली कार्यकारी परिषद की बैठक में शिक्षक और गैर शिक्षक यूनियन भी अपनी-अपनी मांगों को लेकर अपना मांग पत्र रखने की तैयारी में जुटी हुई है। इस बार जीजेयू की कार्यकारी बैठक में बजट को लेकर निर्णय तो लिए ही जाएंगे साथ ही पदोन्नति के मामले पर बैठक में उठने की संभावना जताई जा रही है

जीजेयू में कल रहेगा वाहन मुक्त दिवस

हिसार, 29 मार्च (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार परिसर में 30 मार्च बुधवार का दिन वाहन मुक्त दिवस रहेगा। राष्ट्रीय सेवा योजना की कोर्डिनेटर प्रो. सुजाता सांघी ने बताया कि इस दिन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व कर्मचारियों से अपील की गई है कि वे आपातकालीन परिस्थितियों के अतिरिक्त अपने वाहनों का प्रयोग न करें तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से मनाए जा रहे वाहन मुक्त दिवस के दिन सहयोग करें। इसके अतिरिक्त वाहन मुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए इस दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को भी विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थानों पर तैनात किया जाएगा।

दैनिक भास्कर 27। पाठकपक्ष - 29/3/

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का भेजा प्रपोजल

बनाने को लेकर पहल शुरू, जिला प्रशासन को फाइनल करनी है जगह, 250 करोड़ से अधिक आएगी लागत

श का दूसरा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम होगा। जीजेयू कारियों ने प्रपोजल तैयार पीएस डॉ. कमल गुप्ता ा है। उल्लेखनीय है कि ने प्रोजेक्ट तैयार करने यू से सहयोग मांगा था। यू की टेक्नीकल विंग ों अफसरों ने विशेष ाकर सभी पहलुओं पर ते हुए प्रोजेक्ट बनाया में करीब 25 एकड़ में ैयार किया जाएगा और कड़ में पार्किंग व अन्य ों की व्यवस्था की

डिप्टी कमिश्नर करेंगे जगह सुनिश्चित

जीजेयू ने प्रोजेक्ट तो तैयार कर दिया है अब जगह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी जिला प्रशासन को सौंपी गई है। शहर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा के लिए बुलाई बैठक में डिप्टी कमिश्नर, एसडीएम और अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। उन्हें मुख्य संसदीय सचिव डॉ. कमल गुप्ता ने जगह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी है। अब जिला प्रशासन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के मानक और एयरपोर्ट अथॉरिटी आफ इंडिया के नियमों के मुताबिक क्रिकेट स्टेडियम बनवाने के लिए जगह चिह्नित करेगा।

हर संभावना पर किया जा रहा है विचार : डॉ. गुप्ता

सीपीएस डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनाने की हर संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। उनका प्रयास है कि जल्द हिसार में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनाने की योजना को सिरे चढ़ाया जाए। जीजेयू के प्रोजेक्ट के बाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी टेक्निकल टीमों से स्टेडियम संबंधी जानकारी एकत्रित कर बेहतर प्रोजेक्ट बनाकर आगामी कार्य किया जाएगा।

आईसीसी की अनुमति के बाद होते हैं अंतरराष्ट्रीय मैच

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष रणबीर सिंह महेंद्रा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच की अनुमति अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) देती है। इसमें स्टेडियम बनने के बाद हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन अपने स्तर पर भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) से मैच करवाने की अनुमति लेती है। बीसीसीआई उस अनुमति पत्र के हवाले से आईसीसी को लिखता है। इसके बाद आईसीसी पदाधिकारी स्टेडियम और उसके आसपास की सुविधाओं का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करते हैं। उसी रिपोर्ट के आधार पर अंतरराष्ट्रीय मैच करवाने के लिए फैसले लिए जाते हैं। बीसीसीआई पूर्व अध्यक्ष रणबीर सिंह महेंद्रा ने कहा कि स्टेडियम निर्माण के लिए आमजन का सकारात्मक सोच के साथ सहयोग जरूरी है।

34 साल पहले फरीदाबाद में बना था स्टेडियम

1981-82 में प्रदेश के फरीदाबाद में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बना। 25 हजार दर्शकों के इस स्टेडियम में बैठने का प्रबंध है। 1988 में भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला अंतरराष्ट्रीय मैच फरीदाबाद में खेला गया था। इसके बाद 2006 तक वहां पुरुषों के आठ वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच हुए। दो महिला क्रिकेटरों के मैच खेले गए। 10 साल पहले 2006 में भारत और इंगलैंड के बीच फरीदाबाद में मैच हुआ था, जिसमें भारत ने जीत हासिल की थी। रोहतक के लाहली में भी क्रिकेट स्टेडियम है। इसमें रणजी ट्रॉफी मैच हुए हैं। सचिन तेंदुलकर भी इस मैदान पर खेल चुके हैं। हालांकि अभी तक इंटरनेशनल क्रिकेट कौंसिल आईसीसी ने लाहली के मैदान पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच करवाने के लिए मुहर नहीं लगाई है।

यह है नियम

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष रणबीर सिंह महेंद्रा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के लिए करीब 25 एकड़ जमीन की जरूरत होती है। इसके लिए 150 करोड़ से अधिक का बजट चाहिए। ऐसे में जीजेयू के प्रोजेक्ट के अनुसार बजट को देखा जाए तो हिसार में 250 करोड़ से अधिक की लागत से स्टेडियम बनाया जाएगा यानि भविष्य की जरूरत को ध्यान में रखते हुए उसमें कई आधुनिक सुविधाओं को सम्मिलित किया जा रहा है। इसके अलावा रखरखाव के लिए प्रतिमाह 10 से 15 लाख रुपये का बजट खर्च होता है। शहर में फाइव स्टार होटल होने अनिवार्य हैं। नजदीक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की जरूरत होती है।

दैनिक भास्कर 24/3/16

डिजिटल सॉफ्टवेयर के माध्यम से दवाओं के लिए शोध होगा आसान

जीजेयू में 'ड्रग डिस्कवरी टेक्नोलॉजी-ए मॉलिक्यूलर मॉडलिंग अप्रोच' कार्यशाला में सॉफ्टवेयर का किया जाएगा प्रदर्शन

भास्कर न्यूज़ | हिसार

दवाओं के शोध कार्य में लगने वाले लंबे वक्त से शोधकर्ताओं को अब निजात मिलती नजर आ रही है। वैज्ञानिक अपने शोध कार्य को जल्द

पूरा कर सकें और उनसे संबंधित शोध पर पहले कहां-कहां और क्या-क्या कार्य हुए इसकी जानकारी उन्हें अब अपने ही कंप्यूटर पर आसानी से मिल जाएगी।

इसके लिए मल्टीनेशनल कंपनियों ने दवाओं से संबंधित शोध कार्यों का डेटा एकत्रित कर एक डिजिटल सॉफ्टवेयर तैयार किया है। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बायो एंड नैनो टेक्नालॉजी विभाग की ओर से आयोजित होने वाले तीन दिवसीय 'ड्रग डिस्कवरी टेक्नोलॉजी-ए मॉलिक्यूलर मॉडलिंग अप्रोच' राष्ट्रीय सेमिनार में इन सॉफ्टवेयर का प्रदर्शन किया जाएगा।

इस सेमिनार में 11 राज्यों के वैज्ञानिक हिस्सा लेंगे। सॉफ्टवेयर के माध्यम से शोधकर्ता किसी भी शोध से जुड़ी शंका या सवाल का जवाब हासिल कर सकता है। साथ ही संबंधित कार्य पर पहले भी कभी कोई शोध हुआ है और उसके सकारात्मक और नकारात्मक किस तरह के परिणाम सामने आए, यह भी सॉफ्टवेयर में आसानी से देखा जा सकेगा।

उम्मीद

सॉफ्टवेयर के ये होंगे फायदे

शोध में तेजी आएगी। समय की बचत होगी। जानवरों पर टेस्टिंग प्रणाली में परिवर्तन होगा। देश व दुनिया में किसी दवा के लिए क्या-क्या शोध हुए उसकी जानकारी भी आसानी से शोधकर्ता को मिल पाएगी।

आगे क्या.. अभी तक देश व दुनिया में दवा संबंधी शोध जानवरों पर होते रहे हैं। अब सॉफ्टवेयर आने से प्राथमिक स्तर पर शोध कार्य डिजिटल रूप में हो पाएगा। डिजिटल क्षेत्र में जब तकनीक उस शोध का कोई परिणाम बताएगी तो उसके बाद दवा का प्रयोग शोध के उद्देश्य से पहले जानवरों और फिर इंसानों पर करना आसान हो पाएगा।

सेमिनार में देंगे जानकारीः डॉ. नमिता

बॉयो एंड नैनो टेक्नालॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नमिता सिंह ने कहा कि 'ड्रग डिस्कवरी टेक्नोलॉजी-ए मॉलिक्यूलर मॉडलिंग अप्रोच' विषय पर सेमिनार होगा। इसमें बायो डिस्कवरी ग्रुप के सीईओ और अन्य अधिकारी आएंगे। जो दवा क्षेत्र में शोध से संबंधित सॉफ्टवेयर की जानकारी देंगे।

दैनिक भास्कर 24/3/16

टीचिंग ब्लॉक आठ का प्रपोजल होगा खास

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का बजट घोषित हो चुका है। बजट के साथ ही मंगलवार को कार्यकारी परिषद की बैठक होने जा रही है, जिसमें गुजवि के फाइनेंस के मुद्दों पर विचार विमर्श किया जाएगा। जानकारी के अनुसार इस बार बजट में टीचिंग ब्लॉक आठ को शामिल किया गया है। वहीं सिविल इंजीनियरिंग ट्रेड को विश्वविद्यालय में शुरू करने के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग विंग के एक्सटेंशन को तवज्जो दी गई है। दोनों के लिए विशेष बजट का प्रावधान रखा गया है। अब कार्यकारी परिषद की बैठक में प्रोजेक्टों को भेजा जाएगा। उसके बाद ही प्रोजेक्टों को हरी झंडी दी जाएगी।

- गुजवि में बजट के बाद आज होगी कार्यकारी परिषद की बैठक
- सिविल ट्रेड को लेकर मैकेनिकल विंग का होगा एक्सटेंशन

वक्त के साथ विश्वविद्यालय की जरूरत लगातार बढ़ रही है। भवनों को लेकर जहां तक विश्वविद्यालय प्रदेश में अपना अलग स्थान रखता है। इसके साथ ही पिछले कई सालों से कई भवनों के बनने का इंतजार भी है। जिनकी जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। हालांकि विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से एक या दो ऐसे भवनों पर भी खर्च किया गया है, जिनकी जरूरत विश्वविद्यालयों को नहीं थी। परंतु, नए बजट में कुछ पुराने प्रोजेक्टों को रफ्तार मिलने की उम्मीद देखी जा रही है।

पिछले तीन बजट में शामिल हो रहे हैं यह प्रोजेक्ट

- फिजिक्स, कैमिस्ट्री व मैथ के लिए एक ओर ब्लॉक बनाने का प्रोजेक्ट, जिसकी मांग पिछले चार पांच सालों से उठ रही है।
- एग्जाम ब्रांच के दूसरे फ्लोर के निर्माण।
- डिस्टेंस विभाग की नई बिल्डिंग का निर्माण।

ये होगा खास प्रोजेक्ट

गुजवि में स्वीमिंग पूल के प्रोजेक्ट को तवज्जो दी जा रही है। स्वीमिंग पूल के लिए यूजीसी से ज्यादा ढाई करोड़ की ग्रांट मिली है। डेढ़ से दो करोड़ रुपये विश्वविद्यालय को अपने पास से लगाने है। इसमें इंटरनेशनल लेवल का स्वीमिंग पूल बनाया जाएगा।

ये है अंतिम रूप में

- सीआइएल लैब।
- बॉयज हॉस्टल नंबर चार।
- गर्ल्स हॉस्टल का हॉस्टल नंबर तीन।
- वार्डनस हाउस।

दैनिक जागरण - 29/3/16

एक अप्रैल से गुजवि होगा ऑनलाइन

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एक अप्रैल 2016 से सभी प्रकार की फीस, देय इत्यादि ई-चालान के माध्यम से सीधे बैंक खातों में जमा होंगे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि डिजीटल इंडिया अभियान को सार्थक करने के लिए यह आवश्यक है कि अधिकतर कार्य ऑनलाइन किए जाएं। विद्यार्थी अब अपनी फीस या अन्य सभी प्रकार के देय ऑनलाइन ई-चालान के माध्यम से बैंकों में जमा करवाएंगे लेखा शाखा के उपकुलसचिव डा. एसएसदलाल ने बताया कि सभी एमएससी, एमफार्मा, एमटेक तथा बीटेक प्रिंटिंग के विद्यार्थी फीस व अन्य देय राशि पंजाब नेशनल बैंक के खाता नंबर 4674000100036542, दूरवर्ती शिक्षा के विद्यार्थी फीस व अन्य देय राशि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के खाता नम्बर 344302050000103 तथा बीटेक प्रिंटिंग को छोड़कर सभी बीटेक तथा फिजियोथेरेपी के विद्यार्थी फीस या अन्य देय राशि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के खाता नंबर 344302050000102 में जमा करवाएंगे।

दैनिक जागरण - 31/3/16

जीजेयू में फीस सीधे बैंक में होगी जमा

हिसार। जीजेयू में एक अप्रैल से सभी प्रकार की फीस, देय इत्यादि ई -चालान के माध्यम से सीधे बैंक खातों में जमा होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि डिजिटल इंडिया अभियान को सार्थक करने के लिए यह आवश्यक है कि अधिकतर कार्य ऑनलाइन किए जाएं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अब अपनी फीस या अन्य सभी प्रकार के देय ऑनलाइन ई-चालान के माध्यम से बैंकों में जमा करवाएंगे। विद्यार्थी फीस के अतिरिक्त अन्य देय राशि विश्वविद्यालय की वेबसाइट से चालान प्रिंट कर संबंधित बैंक में जमा करवाएंगे। विश्वविद्यालय की लेखा शाखा के उप कुलसचिव डॉ. एसएस दलाल ने बताया कि सभी एमएससी, एमफार्मा, एमटेक और बीटेक प्रिंटिंग के विद्यार्थी फीस व अन्य देय राशि पंजाब नेशनल बैंक के खाता नंबर 4674000100036542, दूरवर्ती शिक्षा के विद्यार्थी फीस व अन्य देय राशि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के खाता नंबर 344302050000103 और बीटेक प्रिंटिंग को छोड़कर सभी बीटेक और फिजियोथैरेपी के विद्यार्थी फीस या अन्य देय राशि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के खाता नंबर 344302050000102 में जमा करवाएंगे। 31 मार्च 2016 के बाद विश्वविद्यालय की लेखा शाखा में फीस या अन्य देय राशि चेक, ड्राफ्ट या नकद स्वीकार नहीं की जाएगी।

अमर उजाला - 31/3/16

जीजेयू में राष्ट्रीय कार्यशाला का आगाज

प्रभावी और उचित मूल्य के साथ सुरक्षित दवा उपलब्ध कराना एक चुनौती : कुलपति

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुजवि के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में सोमवार को 'ड्रग डिस्कवरी टेक्नोलॉजी -ए मोलिक्यूलर मोडलिंग अप्रोच' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय भारत सरकार के बायो तकनीक विभाग द्वारा प्रायोजित है, जिसका आयोजन जीजेयू के बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा करवाया जा रहा है। कार्यशाला के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे। रजिस्ट्रार प्रो. एमएस तुरान विशिष्ट अतिथि रहे। डिस्कवरी ग्रुप के भारत के सीईओ डा. आसिफ नकवी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता कार्यशाला की संयोजक व विभाग की अध्यक्षा प्रो. नमिता सिंह ने की।

इस मौके पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि बदलते समय में प्रभावी व उचित मूल्य के साथ सुरक्षित दवा उपलब्ध कराना एक चुनौती है। संस्थाएं व उद्योग मिलकर काम करें तो सभी प्रकार की चुनौतियों व जटिलताओं को समय रहते दूर किया जा सकता है। उन्होंने दवाओं की खोज के लिए आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की सलाह भी दी। इस मौके पर डा. अनिल भानखड़, डा. संतोष कुमार महिमा व कनुप्रिया, प्रो. अशोक चौधरी, प्रो. नीरज दिलबागी, डॉ. विनोद छोक्कर, डॉ. राजेश ठाकुर व डा. संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

हिसार। जीजेयू में आयोजित सेमिनार में भाग लेते शिक्षक और विद्यार्थी। अमर उजाला

11 राज्यों के 85 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

कार्यशाला में देश के 11 राज्यों कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, चंडीगढ़, केरल और हरियाणा के करीब 85 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें वैज्ञानिक, फैकल्टी और रिसर्चर स्टूडेंट आदि शामिल रहे। कार्यशाला में 12 तकनीकी सत्र होंगे।

प्रोजेक्ट के आधार पर दिया जाएगा सर्टिफिकेट

कार्यशाला से विद्यार्थियों की स्कील में इंप्रूवमेंट होगा। कार्यशाला में विद्यार्थियों को नई तकनीकें सिखाई जाएगी। इसके बाद उन्हें एक प्रोजेक्ट देंगे। विद्यार्थियों द्वारा किए गए इस प्रोजेक्ट कार्य का विश्लेषण किया जाएगा। इसके आधार पर विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट देंगे। जिससे उन्हें इंडस्ट्री में जाकर काम करने में आसानी होगी, बल्कि वे स्वयं का काम भी कर सकेंगे।

जीजेयू में वाहन मुक्त दिवस 30 को : हिसार। जीजेयू परिसर में 30 मार्च का दिन वाहन मुक्त दिवस रहेगा। राष्ट्रीय सेवा योजना की कोऑर्डिनेटर प्रो. सुजाता सांघी ने बताया कि इस दिन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व कर्मचारियों से अपील की गई है कि वे आपातकालीन परिस्थितियों के अतिरिक्त अपने वाहनों का प्रयोग न करें तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से मनाए जा रहे वाहन मुक्त दिवस के दिन सहयोग करें। इसके अतिरिक्त वाहन मुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए इस दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को भी विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थानों पर तैनात किया जाएगा।

अमर उजाला - 29/3/16

पंजीकरण | गुजवि के पूर्व छात्रों को भी पंजीकृत किया जाएगा, 72वीं कार्यकारी परिषद की बैठक में लिया निर्णय

जीजेयू में बनेगा डिपार्टमेंट ऑफ एल्मनाई रिलेशंस

- प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि किसी भी शिक्षण संस्थान के पूर्व छात्र उस संस्थान के ब्रैंड अंबेसडर होते हैं

हरिभूमि न्यूज. हिसार

हिसार। बैठक की अध्यक्षता करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। फोटो: हरिभूमि

गुजवि में डिपार्टमेंट ऑफ एल्मनाई रिलेशंस स्थापित किया जाएगा। विवि में संयुक्त एल्मनाई एसोसिएशन का गठन किया जाएगा जिसमें विवि के पूर्व छात्रों को पंजीकृत किया जाएगा। यह निर्णय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में हुई कार्यकारी परिषद् की 72वीं बैठक में लिया गया। बैठक का संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान ने किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि किसी भी शिक्षण संस्थान के पूर्व छात्र उस संस्थान के ब्रैंड अंबेसडर होते हैं। पूर्व छात्र संबंधित संस्थान के विकास में अहम् भूमिका अदा कर सकते हैं। साथ ही नए छात्रों को रोजगार देने में भी पूर्व छात्रों की भूमिका अत्यंत उपयोगी हो सकती है। इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में डिपार्टमैंट ऑफ एल्मनाई रिलेशन्स स्थापित किया गया है।

प्रो. कुठियाला होंगे विजिटिंग प्रोफेसर

कार्यकारी परिषद बैठक में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. बीके कुठियाला को विजिटिंग प्रोफेसर नियुक्त किया गया है। बीते दिनों विवि में जनसंचार विभाग के सेमिनार में भाग लेने के लिए प्रो. कुठियाला गुजवि में आए थे। उस समय भी वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उनको विजटिंग प्रोफेसर नियुक्त करने की बात कही थी। वे यहां के जनसंचार विभाग के डीन भी रह चुके हैं। बैठक में डा. एलएन गुप्ता, केसी अरोड़ा, डा. देवेंद्र मोर, प्रो. दिनेश चुटानी, प्रो. पीके जैना, प्रो. मिलिंद पारले, डा. धर्मेंद्र कुमार व डा. सुनील कुमार उपस्थित थे।

सरकार से मांगेंगे अतिरिक्त धनराशि

कार्यकारी परिषद बैठक में 26 मार्च को हुई वित्त समिति की मिनट्स को अनुमोदित किया गया है। विश्वविद्यालय की जरूरतों को देखते हुए अतिरिक्त धनराशि देने के लिए भी सरकार से अनुरोध का प्रस्ताव पारित किया गया। गौरतलब है कि वित्त समिति की बैठक में विवि का बजट करीब 162 करोड़ रुपये रखा गया है, जो बीते वर्ष के मुकाबले करीब 30 करोड़ रुपये ज्यादा हैं।

कोर्ट की 27वीं बैठक हुई

गुजवि में कोर्ट की 27वीं बैठक भी हुई। बैठक की अध्यक्षता भी कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। संचालन कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान ने किया। बैठक में कार्यकारी परिषद के कुल सात एजेंडों को अनुमोदित किया गया। इस बैठक में डा. डीएस मोर, प्रो. राजेश मल्होत्रा, प्रो. बीएस खटकड़, प्रो. आरके गुप्ता, प्रो. ऊषा अरोड़ा, प्रो. पीके जैना, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. मिलिंद पारले, प्रो. डीएन मिश्रा, प्रो. धर्मेंद्र कुमार, देवेंद्र मोहन, डा. उमेश कुमार, डा. अंब्रीश पाण्डेय, डा. राकेश बहमनी, डा. ज्योति विशिष्ट तथा सुंदरलाल सैनी उपस्थित थे।

हरिभूमि - 30/3/16

जीजेयू में सिविल इंजीनियरिंग और एमए इकोनॉमिक्स शुरू करने की तैयारी

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में सिविल इंजीनियरिंग और एमए इकोनॉमिक्स को नए शैक्षणिक सत्र में शुरू करने की जीजेयू ने घोषणा की थी। मगर यह मामला इस सत्र में ठंडे बस्ते में नजर आने लगा है। जीजेयू प्रशासन अब नए शैक्षणिक सत्र में योग और खेल को तवज्जो देता दिखेगा। प्रशासन योग में पीजी डिप्लोमा शुरू करने में रुचि दिखा रहा है जबकि सिविल इंजीनियरिंग और एमए इकोनॉमिक्स की डिग्री को अगले शैक्षणिक सत्र से शुरू करने पर विचार कर रहा है।

पिछले लम्बे समय से जीजेयू में हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस (एचएसबी) में एमए इकोनामिक्स शुरू करने के लिए प्रपोजल तैयार किया गया। यह योजना पिछले दो वर्ष से अधिक समय से सिरे चढ़ाने के लिए कागजी कार्रवाई की जा रही है। एचएसबी के दो शिक्षकों ने इसके लिए सिलेबस तक तैयार कर फाइल वीसी कार्यालय को भेज दी है। वहीं दूसरी तरफ जीजेयू में सिविल इंजीनियरिंग शुरू करने के लिए भी प्रपोजल तैयार किया जा चुका है। जीजेयू कैंपस में भी ये कोर्स शिक्षकों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं।

एमए इकोनॉमिक्स शुरू करने को भेजी फाइल : डॉ. अरोड़ा

एचएसबी डीन डॉ. ऊषा अरोड़ा ने कहा कि एमए इकोनॉमिक्स शुरू करने के लिए उनके पास स्टाफ और जगह दोनों उपलब्ध हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने यह प्रपोजल बनाया है। इससे वीसी कार्यालय को भी अवगत करवाया गया। कोर्स शुरू करने के लिए वीसी की अनुमति का इंतजार है।

योग में पीजी डिप्लोमा होगा शुरू, अन्य पर विचार जारी : वीसी

जीजेयू कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि योग में पीजी डिप्लोमा शुरू करेंगे। सिविल इंजीनियरिंग और एमए इकोनॉमिक्स पाठ्यक्रम शुरू करने पर भी विचार किया जा रहा है। मगर फिलहाल कई जरूरी कार्य किए जा रहे हैं। इसके बाद अगले शैक्षणिक सत्र तक ही ये नए कोर्स शुरू हो पाएंगे।

दैनिक भास्कर - 30/3/16